



32.0°

अधिकतम तापमान

26.0°

न्यूनतम तापमान

05.57

सुर्योदय

06.18

सुर्यास्त

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ	बोरी	कानपुर
गुरुदाबाद	अयोध्या	हल्द्वानी

भारत का पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप में पलड़ा भारी- 12
--

अमृत विचार

बरेली

दिवार, 14 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 295, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

आठवाँ कृष्ण पक्ष अष्टमी 03:06 उपरांत नवमी विक्रम संवत् 2082



हिमाचल प्रदेश में बाढ़ फटने से वाहन नलवे में दबे खेतों को भारी क्षति-10



उच्चतम न्यायालय ने कहा कि घर खरीदारों की इक्ष्याकार करे केंद्र सरकार - 10



नेपाल में काठमाडू याटी और अन्य हिस्सों से कर्पूर हटा, जनजीवन हो रहा सामान्य - 11



भारत का पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप में पलड़ा भारी- 12



CENTURION DEFENCE ACADEMY

रक्षा क्षेत्र की पुख्ता तैयारी के लिए प्रत्याप्त

THE ABSOLUTE LEADER

गर्व का वर्ष - देश को समर्पित 150+ सैन्य अधिकारी

NDA | 11TH & 12TH NDA FOUNDATION | CDS | MNS | AFCAT | SSB INTERVIEW



लगातार AIR- 1,2,3 सिर्फ इन नहीं, डेस्टिनेशन तक - सेंचूरियन डिफेंस एकेडमी



Many More

भारतीय सेना के शीर्ष नेतृत्व के सामने शिशिर दीक्षित सर की ऐतिहासिक घोषणाएँ शहीद परिवारों, सैनिकों और युवाओं के भविष्य को नई दिशा

CENTURION ADVANTAGES

- गर्ल्स के लिए विशेष प्रगति बैच : हर चौथी NDA चयनित छात्रा सेंचूरियन से।
- ब्रह्मोस बैच : हिंदी माध्यम के छात्रों को सफलता की ओर अग्रसर करना।
- फाउंडेशन बैच एक्सीटेंस: हर बार सबसे अधिक फाइनल चयन।
- 2025 में 100+ प्रामाणिक चयन : और गिनती जारी है।
- सतत चैपियंस: टॉप्स की पहली पसंद- लगातार AIR-1,2,3
- सेंचूरियन प्रेप एडवाटेज़ : अतिरिक्त तैयारी के लिए एयर लाइब्रेरी और कंप्यूटर लैब।
- विशेषज्ञ मेटरशिप: भारत की सबसे अनुभवी टीम द्वारा लिखित व SSB इंटरव्यू की तैयारी।
- सीमिलेस हाइब्रिड लर्निंग: सेंचूरियन डिजिटल एप के साथ।
- व्यक्तिगत सफलता: व्यक्तिगत मार्गदर्शन और विशेष फीडबैक याएं।
- साथ मेटर vs अप्पायर: हमारे मुख्य रक्षा परीक्षा मेटर शिशिर दीक्षित सर के साथ श्रेष्ठ अनुभव।
- रणनीतिक कंटेंट: हमारी R&D टीम द्वारा तैयार की गई सेंचूरियन पल्किकेशन तक पहुंच।
- डिफेंस डिवाशन: हमारी प्रतिबद्धता सिर्फ रक्षा क्षेत्र के लिए है।
- असली परिणाम: हमारे पोस्टर पर दिखने वाला हर चेहरा वास्तव में सेंचूरियन स्ट्रॉडेंट है, कोई स्टॉफ इमेज नहीं।
- प्रमाणित और विश्वसनीय: भारत की सबसे उच्च वास्तविक चयन दर—सभी फाइनल चयन के बीच वास्तविक चयन दर—
- ट्रेनिंग ट्राइंडेंस: भारत का सबसे बड़ा फिजिकल फिटनेस और GTO ग्राउंड लखनऊ और देहरादून में।
- सत्य, सेना एवं संस्कार पर आधारित फिजिकल ट्रेनिंग में मानक एवं अनुशासन से काई समझौता नहीं।



लखनऊ, 10 सितंबर 2025: परमवीर चक्र विजेता शहीद अब्दुल हमीद के 60वें बलिदान दिवस पर सेंचूरियन फाउंडेशन ने भारतीय सशस्त्र बलों, शहीद परिवर्तों और वीरता पुरस्कार विजेताओं के लिए कई ऐतिहासिक घोषणाएँ कीं। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लेपिनेंट जनरल अनंद्या सेन गुप्ता (PVSM, UYSM, AVSM, YSM) उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में श्री नीरज सिंह (अध्यक्ष, FICCI उत्तर प्रदेश), मंत्री श्री दानिश आजाद अंसारी (वेलफेर एवं वर्क बोर्ड, उत्तर प्रदेश) और GOC मेजर जनरल सलील सेन, शामिल रहे। सेंचूरियन फाउंडेशन के चेयरमैन श्री शिशिर दीक्षित ने भारतीय युवाओं को सशक्त बनाने और शहीदों के परिवर्तों को सम्मान देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। इन घोषणाओं को लेपिनेंट जनरल अनंद्या सेन गुप्ता, (PVSM, UYSM, AVSM, YSM) और GOC मेजर जनरल सलील सेन ने औपचारिक रूप से स्वीकार किया और इसकी सराहना की।

देश के हज़ारों भावी सैन्य अधिकारियों को तराशने वाले प्रेरणास्रोत गुरु

दीक्षित सर, सेंचूरियन डिफेंस एकेडमी (लखनऊ और देहरादून) के संस्थापक और चेयरमैन हैं। वे भारत के रक्षा क्षेत्र में सबोधित सफलताओं के लिए प्रसिद्ध हैं, और रक्षा परीक्षाओं व एसएसी इंटरव्यू में लगातार अलैंडिग्यारेंट 1, 2, 3, 4, 5, 6 दिलाकर रिकार्ड स्थापित कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री एवं उत्तराखण्ड के राज्यपाल भी उन्हें सर्वोच्च चयन दर के लिए कई बार समानित कर चुके हैं।

चीफ डिफेंस एज्जाम मेटर दीक्षित सर ने "पोफाइल मैपिंग" जैसी अनुरी मेंटरिंग तकनीक विकसित की है। वे व्यक्तिगत मार्गदर्शन और कर्स्टमाइज़ फीडबैक के लिए पूरे देश में लोकप्रिय हैं। साथ ही वे विनियोग और विपरीत सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से अनेकांशों

छात्रों को प्रेरित व मार्गदर्शन देने में अग्रणी हैं, और ऐसे कई परिवर्तों से सेना के अधिकारी तैयार कर चुके हैं जिनका विकासात्मक ऐतिहास चुनौतीपूर्ण रहा है। उनके अकादमी देश में एनकीए में सर्वोच्च बालिकाओं का चयन सुनिश्चित कर रही है, और हज़ारों आर्थिक रूप से कमज़ोर छात्रों को स्कॉलरशिप देकर सशक्त बना रही है। उन्हें कई कैरियर मॉडलिंग और राज्य के शीर्ष नेतृत्व से सम्मान प्राप्त है। उनका मिशन है: भारत के हर परिवार से कम से कम एक सदस्य सेना में सेवा करें।

श्री शिशिर दीक्षित सर

संस्थापक एवं चेयरमैन,
सेंचूरियन डिफेंस एडवाटेज़,
लखनऊ, HRDC में 6 दिवसीय

प्रमुख घोषणाएँ :

- 100% छात्रवृत्ति – भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना के शहीद परिवर्तों के पात्र रक्षा अभ्यर्थियों को, अॅनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से, रक्षा परीक्षाओं की तैयारी हेतु शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।
- 100% छात्रवृत्ति – सभी गैलेरी अवार्डज़ (Gallantry Awardees) के पात्र पारिवारिक रक्षा अभ्यर्थियों को भी, अॅनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से, रक्षा परीक्षाओं की तैयारी हेतु पूर्ण छात्रवृत्ति दी जाएगी।
- ₹5000 SSB Prep Aid – प्रयोगे पात्र अभ्यर्थी को, जो SSB इंटरव्यू में समीक्षित हो रहा है, सेंचूरियन फाउंडेशन द्वारा भारत के सर्वश्रेष्ठ SSB कोविंग मार्ग दर्शन हेतु ₹5000 की तैयारी सहायता प्रदान की जाएगी। इसकी वैधता 1 वर्ष होगी, यानी यदि कोई उमीदवार पहले प्रयास में सेलेक्ट नहीं होता, तो वह अगले 1 वर्ष के भीतर पुनः निश्चल प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेगा।
- डिजिटल पैनल स्थापना – सेंट्रल कमांड, लखनऊ HRDC क्लास रूम में एक समर्पित डिजिटल पैनल स्थापित किया जाएगा, जिसके माध्यम से SSB इंटरव्यू प्रेप, स्पेक्सन इंशिल तथा अॅनलाइन सेव संचालित किए जाएंगे।
- रणनीति पुस्तक की 100 प्रतियाँ – SSB Interview तैयारी हेतु रणनीति पुस्तक की 100 प्रतियाँ सेंट्रल कमांड की सभी आर्मी लाइब्रेरीज़ को प्रदान की जाएगी।
- निःशुल्क 6-दिवसीय SSB कैप्सूल सत्र – प्रलेये 6 माह में, SSB इंटरव्यू विशेषज्ञ द्वारा, लखनऊ HRDC में 6 दिवसीय कैप्सूल ऑफलाइन सत्र निःशुल्क आयोजित किए जाएंगे।

ADMISSIONS OPEN

For Classroom Course And Centurion digital App



Head Office, Lucknow (UP)
Near Phoenix Mall, Opp. Police Station
Alambagh

+91 9795977776

Indira Nagar Center (UP)
Faizabad Road, Indira Nagar
Lucknow

+91 9795977776

Dehradun Center (UK)

General Mahadev Singh Road, Near IMA, Ballupur Chowk,
Satya Vihar, Kailashpuri, Dehradun

+91 9795977779



BE INSPIRED, BE INFORMED
Watch Our Real Results on





हिमाचल प्रदेश में बाढ़ फटने से वाहन मलवे में दबे खेतों को भारी क्षति-10



उच्चतम न्यायालय ने कहा कि घर खरीदारों की इक्ष्य करे केंद्र सरकार - 10



नेपाल में काठमाडू याटी और अन्य हिस्सों से कार्पैट हटा, जनजीवन हो रहा सामाज्य - 11



भारत का पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच में पलड़ा भारी-12

मणिपुर में लाएंगे शांति और समृद्धि

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के विभिन्न संगठनों से हिंसा छोड़ने का किया आग्रह

● कहा-केंद्र सरकार राज्य के लोगों के साथ दृढ़ता के साथ खड़ी इंफाल/घुडाचांदपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में मोदी ने शनिवार को मणिपुर में विभिन्न संगठनों से हिंसा छोड़ने का आग्रह करते हुए कहा कि उनकी सरकार राज्य के लोगों के साथ दृढ़ता के साथ खड़ी है और इस हिंसास्त्र प्रतांत को शांति व समृद्धि का प्रतीक बनाने की दिशा में काम कर रही है। मई 2023 में जातीय हिंसा भड़कने के बाद राज्य की अनन्नी पहली यात्रा के दौरान कुकी बहुल चूडाचांदपुर जिले में जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने मणिपुर को आशा और आकांक्षा की भूमि बताया और कहा कि 'दुर्भाग्य से हिंसा ने इस खूबसूरत क्षेत्र पर अनन्नी छाया डाल दी है। उहोंने कहा कि कृष्ण देर पहले, मैं एक राहत शिविर में प्रभावित लोगों से मिला। उनसे मिलने के बाद, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मणिपुर में आशा और विश्वास के एक नया सरोवर का उदय हो रहा है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी जगह विकास की जड़ें जमाने के लिए शांति जरूरी है। पिछले 11 सालों में पूर्वोत्तर में कई संघर्ष और विवाद सूलझा गए हैं। लोगों ने शांति का रास्ता चुना है और विकास को प्राथमिकता दी है। लंबे समय से जारी विभिन्न समूहों के साथ कहता हूं कि मणिपुर में आशा और विश्वास के एक नई सुबह उभर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी जगह विकास की जड़ें जमाने के लिए शांति जरूरी है। पिछले 11 सालों में पूर्वोत्तर में कई संघर्ष और विवाद सूलझा गए हैं। लोगों ने शांति का रास्ता चुना है और विकास को प्राथमिकता दी है। लंबे समय से जारी विभिन्न समूहों के साथ कहता हूं कि मणिपुर में आशा और विश्वास के एक नई सुबह उभर रही है।



विस्थापित लोगों से मिले, केंद्र की ओर से हर संभव मदद का दिया भरोसा
 प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में मोदी ने शनिवार को मणिपुर की राजधानी फ़ैकल के पैरियोजिक कांगला किला परिसर में जातीय हिंसा के प्रतिक्रिया में विस्थापित हुए लोगों की मोदी ने विस्थापित लोगों की अधिकारी और अधिकारियों की अधिकारी के साथ विवादित इस सामाजिक विवाद के दौरान समर्पण की अपेक्षा की जाएगी। अप्रैल 2025 की वेदी को चुनावी की चुनावी देने वाली याचिका और विवादित लोगों से मिला। उनसे मिलने के बाद, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मणिपुर में आशा और विश्वास के एक नया सरोवर का उदय हो रहा है।

जातीय हिंसा के बावजूद राज्य का बातचीत हुई है। ये भारत सरकार के दौरा ना करने के लिए विपक्ष की संवाद, सम्मान और अपासी समझ की तीव्री आलोचना झेल रहे थे। विधायिका को महत्व देते हुए शांति स्थापित करने के लक्ष्य की दिशा में इस बात पर जोर दिया कि केंद्र के प्रयासों को नीतीजे मिलने लगे हैं। मैं सभी संगठनों से शांति के मार्ग पर उहोंने कहा कि हमने देखा है कि उन्होंने कहा कि कृष्ण देर पहले, मैं एक राहत शिविर में प्रभावित लोगों से मिलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

मणिपुर के लोगों के साथ कहता हूं कि मणिपुर के लोगों के साथ है। हम मणिपुर को लोगों के साथ समझ की तीव्री आलोचना झेल रहे थे। विधायिका को महत्व देते हुए शांति स्थापित करने के लक्ष्य की दिशा में इस बात पर जोर दिया कि केंद्र के प्रयासों को नीतीजे मिलने लगे हैं। मैं सभी संगठनों से शांति के मार्ग पर उहोंने कहा कि कृष्ण देर पहले, मैं एक राहत शिविर में प्रभावित लोगों से मिलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

जातीय हिंसा के बावजूद राज्य का बातचीत हुई है। ये भारत सरकार के दौरा ना करने के लिए विपक्ष की संवाद, सम्मान और अपासी समझ की तीव्री आलोचना झेल रहे थे। विधायिका को महत्व देते हुए शांति स्थापित करने के लक्ष्य की दिशा में इस बात पर जोर दिया कि केंद्र के प्रयासों को नीतीजे मिलने लगे हैं। मैं सभी संगठनों से शांति के मार्ग पर उहोंने कहा कि हमने देखा है कि उन्होंने कहा कि कृष्ण देर पहले, मैं एक राहत शिविर में प्रभावित लोगों से मिलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

मणिपुर के लोगों के साथ कहता हूं कि मणिपुर के लोगों के साथ है। हम मणिपुर को लोगों के साथ समझ की तीव्री आलोचना झेल रहे थे। विधायिका को महत्व देते हुए शांति स्थापित करने के लक्ष्य की दिशा में इस बात पर जोर दिया कि केंद्र के प्रयासों को नीतीजे मिलने लगे हैं। मैं सभी संगठनों से शांति के मार्ग पर उहोंने कहा कि हमने देखा है कि उन्होंने कहा कि कृष्ण देर पहले, मैं एक राहत शिविर में प्रभावित लोगों से मिलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

जातीय हिंसा के बावजूद राज्य का बातचीत हुई है। ये भारत सरकार के दौरा ना करने के लिए विपक्ष की संवाद, सम्मान और अपासी समझ की तीव्री आलोचना झेल रहे थे। विधायिका को महत्व देते हुए शांति स्थापित करने के लक्ष्य की दिशा में इस बात पर जोर दिया कि केंद्र के प्रयासों को नीतीजे मिलने लगे हैं। मैं सभी संगठनों से शांति के मार्ग पर उहोंने कहा कि हमने देखा है कि उन्होंने कहा कि कृष्ण देर पहले, मैं एक राहत शिविर में प्रभावित लोगों से मिलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

जातीय हिंसा के बावजूद राज्य का बातचीत हुई है। ये भारत सरकार के दौरा ना करने के लिए विपक्ष की संवाद, सम्मान और अपासी समझ की तीव्री आलोचना झेल रहे थे। विधायिका को महत्व देते हुए शांति स्थापित करने के लक्ष्य की दिशा में इस बात पर जोर दिया कि केंद्र के प्रयासों को नीतीजे मिलने लगे हैं। मैं सभी संगठनों से शांति के मार्ग पर उहोंने कहा कि हमने देखा है कि उन्होंने कहा कि कृष्ण देर पहले, मैं एक राहत शिविर में प्रभावित लोगों से मिलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

जातीय हिंसा के बावजूद राज्य का बातचीत हुई है। ये भारत सरकार के दौरा ना करने के लिए विपक्ष की संवाद, सम्मान और अपासी समझ की तीव्री आलोचना झेल रहे थे। विधायिका को महत्व देते हुए शांति स्थापित करने के लक्ष्य की दिशा में इस बात पर जोर दिया कि केंद्र के प्रयासों को नीतीजे मिलने लगे हैं। मैं सभी संगठनों से शांति के मार्ग पर उहोंने कहा कि हमने देखा है कि उन्होंने कहा कि कृष्ण देर पहले, मैं एक राहत शिविर में प्रभावित लोगों से मिलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

जातीय हिंसा के बावजूद राज्य का बातचीत हुई है। ये भारत सरकार के दौरा ना करने के लिए विपक्ष की संवाद, सम्मान और अपासी समझ की तीव्री आलोचना झेल रहे थे। विधायिका को महत्व देते हुए शांति स्थापित करने के लक्ष्य की दिशा में इस बात पर जोर दिया कि केंद्र के प्रयासों को नीतीजे मिलने लगे हैं। मैं सभी संगठनों से शांति के मार्ग पर उहोंने कहा कि हमने देखा है कि उन्होंने कहा कि कृष्ण देर पहले, मैं एक राहत शिविर में प्रभावित लोगों से मिलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

जातीय हिंसा के बावजूद राज्य का बातचीत हुई है। ये भारत सरकार के दौरा ना करने के लिए विपक्ष की संवाद, सम्मान और अपासी समझ की तीव्री आलोचना झेल रहे थे। विधायिका को महत्व देते हुए शांति स्थापित करने के लक्ष्य की दिशा में इस बात पर जोर दिया कि केंद्र के प्रयासों को नीतीजे मिलने लगे हैं। मैं सभी संगठनों से शांति के मार्ग पर उहोंने कहा कि हमने देखा है कि उन्होंने कहा कि कृष्ण देर पहले, मैं एक राहत शिविर में प्रभावित लोगों से मिलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

ब्रिटेन में सिख युवती के साथ दरिंदगी
 ● दो गोरों ने दिनदहाड़े किया रेप, नस्लीय धमकी में कहा कि इसे 'नस्लीय रूप से उक्सासा' कहा जाना जाता है। लेकिन इसे कैटिवेनेट सदस्यों को साथ-साथ दरिंदगी के साथ-साथ देखा जाता है।

प्रधानमंत्री ने राम मनोहर लोहिया आय



हिन्दी भारत के जन गण मन की प्रीति

भाषा विज्ञानी अलब्राइट व लैम्बिडन ने सुमेरी को प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। इनके मात्राविक परिचयम को सुमेरी ने प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। उन्होंने बताया अंग्रेजी 'ऐवेस' सुमेरी का अज्ञ (पृथ्वी के नीचे का जल) है। यूनानी में वह अनुस्मास है। बैतीलोन में इसे अप्सु कहते हैं, लेकिन ऋष्येन्द्र (1.23.19, 9.43.9 और 9.30.5 आदि) में अप और अप्सु शब्द भरे पड़े हैं। मिथी, सुमेरी और संस्कृत में भूतल जल पर एक शब्दवाली है। विलियम जॉन्सन के कहा कि 'संस्कृत ग्रीक से अधिक निर्देश, लैटिन से अधिक समृद्ध किसी से भी संस्कृत ग्रीक से अधिक निर्देश, लैटिन से अधिक समृद्ध किसी से भी संस्कृत ग्रीक से अधिक निर्देश है।' इनके बाबत धार्तुओं और व्याकरणिक रूपों में वह इन दोनों से प्रगाढ़ संबंध रखती है, इनका प्रगाढ़ कि कोई भाषाविद इनका एक ही स्रोत माने बिना छानबीन नहीं कर सकता।' संस्कृत जाने बिना विश्व भाषा विज्ञान, विश्व भाषा परिवार, सूचित संरचना और विश्व संस्कृतिक सम्बन्धों का अध्ययन कैसे हो?

सभ्यता, संस्कृति, दर्शन, भौतिकी और आधुनिक ज्ञान विज्ञान का आदि केन्द्र भारत है, इन सबकी आदि भाषा है संस्कृत। यूरोपीय विद्वान एच. एस. मेन ने लिखा था, 'बीजागीत-अकागीत में पश्चिमी साहियत के बिना ही ऊंचे दर्जे की बाधा है। दशमलव प्रणाली के अधिकारी के बिना पर एक शब्दवाली है। अर्तवों ने अंक हिन्दुओं के साथ पाए, यूरोप में फैलाया। अब चिकित्सा पद्धति संस्कृत में ग्रंथों का अनुवाद है, यूरोपीय विकिट्सा पद्धति 17 वीं संस्कृत तक अंग्रेजी चिकित्सा थी।' विलियम हंटर ने लिखा था कि 'परिचय के विद्वान जब भाषा विज्ञान का विवेचन आकस्मिक समानताओं के आधार पर कर रहे थे, उस समय भारत के व्याकरण को मूल सिद्धांतों का रूप मिल चुका था। पाणिनि का व्याकरण संसार में सर्वोच्च है।'

भारत में विश्व के चार भाषा परिवार-भारोपीय, द्रविड़ कौल और कीरत हैं। इन भाषाओं के बोलने वालों के बीच सांस्कृतिक समानताएं थीं हैं। शिक्षा का माध्यम संस्कृत थी। बाद की सभी भाषाओं-बोलियों में संस्कृत और संस्कृति का प्रदायथा। राष्ट्र का अभ्युदय और आमज्ञान इस शिक्षा का लक्ष्य था। दसवीं शताब्दी तक संस्कृत और उसकी प्राकृत भाषा ही संस्कृतिक सिद्धांत की विकासित पाली, मगधी, प्राकृत, अपभ्रंश और अंततः हिन्दी भारत को एक संस्कृतिक क्षेत्र बनाया।

अपने बच्चों को अपनी मातृभाषा के बजाय अंग्रेजी पढ़ाना लिखाना पसंद करें।' अंग्रेजी को विश्व भाषा बताया हुआ। हिन्दी के लिए आयोग-समिति बनाने की व्यवस्था जाता है लेकिन जापान, रूस और चीन आदि अनेक देशों में अंग्रेजी की कार्रवाई संस्कृत नहीं है। भारत की संविधान सभा (14 सितंबर 1949) ने हिन्दी को राजभाषा बनाया, 15 वर्ष तक अंग्रेजी में राजकाज चलाने का 'पर्तु' जोड़ा। पंडित नेहरू ने कहा, 'हमने अंग्रेजी इस काण्डे स्वीकार की कि वह विजेता की भाषा थी, अंग्रेजी कितनी ही अच्छी हो, किंतु इसे हम सहन नहीं कर सकते।'



द्वय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष 3.प्र.

हिन्दी के लिए आयोग-समिति बनाने की व्यवस्था हुई। हिन्दी के विकास की जिम्मेदारी (अनुच्छेद 351) जाता है लेकिन जापान, रूस और चीन आदि अनेक देशों केन्द्र पर डाली गई, लेकिन कांग्रेस अपने जन्मकाल से ही अंग्रेजी की कार्रवाई संस्कृत नहीं है। भारत की संविधान ने हिन्दी के प्रसार-प्रचार का काम केन्द्र को सौंपा। हिन्दी कमज़ोर इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध माना है।' (संपूर्ण गांधी वांगमय 29-312) भारतीय संस्कृति, सूजन और संवाद की भाषा हिन्दी है। हिन्दी के पास प्राचीन संस्कृत और परंपरा की सुधारी विवाहित विश्वास है। हिन्दी ने संस्कृत के साथ हिन्दी राजभाषा बन गई। संविधान ने हिन्दी के प्रसार-प्रचार का काम केन्द्र को सौंपा। हिन्दी कमज़ोर इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध माना है।' (संपूर्ण गांधी वांगमय 29-312)

भारतीय संस्कृति, सूजन और संवाद की भाषा हिन्दी है। हिन्दी के पास प्राचीन संस्कृत और परंपरा की सुधारी विवाहित विश्वास है। हिन्दी ने संस्कृत के साथ हिन्दी राजभाषा बन गई। संविधान ने हिन्दी को वरियता देती रही, गांधी जी ने कहा, 'अंग्रेजी ने हिन्दुस्तानी राजनीतिज्ञों के मन में घर कर लिया है। मैं

एम. बी एमेन्यू ने भारत को भाषिक क्षेत्र बताया। अरबी-फारसी के विद्वानों ने भारत की भाषाई पहचान के लिए हिन्दी शब्द का प्रयोग किया। अमेरिका खुसरो ने इसे हिंदी-हिन्दू गाय। हैदराबाद के मुस्लिम शासक कुली कुतुबशाह ने इसे 'जबाने हिन्दी' बताया। हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा है। वह यमुना के निकुञ्जों पर गंगा गते बड़ी हुई। अंग्रेजी राज के बाद फारसी की जगह अंग्रेजी आ गई। गांधीजी ने अंग्रेजी का विरोध और हिन्दी का समर्पण किया। अंग्रेजी राजनीतिक गतिशील लोगों में घर करते हैं।

तीन दिन तक चली बहस में हस्तक्षेप करते हुए पंडित नेहरू ने कहा, 'अंग्रेजी कितनी ही अच्छी हो, किंतु इसे हम सहन नहीं कर सकते।' 14 सितंबर के दिन अंग्रेजी प्रभुत्व के साथ हिन्दी राजभाषा बन गई। संविधान ने हिन्दी के प्रसार-प्रचार का काम केन्द्र को सौंपा। हिन्दी कमज़ोर इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध माना है।' (संपूर्ण गांधी वांगमय 29-312) भारतीय संस्कृति, सूजन और संवाद की भाषा हिन्दी है। हिन्दी के पास प्राचीन संस्कृत और परंपरा की सुधारी विवाहित विश्वास है। हिन्दी ने संस्कृत के साथ हिन्दी राजभाषा बन गई। संविधान ने हिन्दी के प्रसार-प्रचार का काम केन्द्र को सौंपा। हिन्दी कमज़ोर इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध माना है।' (संपूर्ण गांधी वांगमय 29-312)

अमेरिका की बेचैनी और भारत की संतुलन नीति

हाल ही में संपन्न शंखाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक ने वैश्वक राजनीति में एक बार किर भारत की निर्णयक भूमिका को उजागर किया है। प्रधानमंत्री नंदें मोदी ने जीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति ल्यादिमीर पुतिन के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय चर्चाएं की। इस घटनाक्रम में अमेरिका के राजनीतिक गतिशीलों में हलचल पैदा कर दी है। खासगंत पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस घटनाक्रम के बाद प्राचीन परामर्शदाता विश्वरूप 'द्विसोशल' पर पोस्ट करते हुए कहा कि वह जल्द ही प्रधानमंत्री मोदी से बात करने के उत्सुक हैं और भारत के साथ व्यापार खाली दिलाई देता है। उन्होंने भ्राता विश्वरूप 'स्वाधीनता संग्राम में जनरोपनी व्यापारिक प्रतिवादी' के दिशा में बदल दिया है।

स्टील (25 प्रतिशत) और एल्यूमिनियम (10 प्रतिशत) पर टैरिफ भारत की मेटल एक्सपोर्ट इंडस्ट्री को नुकसान, 2019 भारत को जीएसपी से बाहर किया, 2020 द्वारा और चिकित्सा उपकरणों पर भरोसा किया जा सकता है? यहां ध्यान देने योग्य बात यह है कि डोनाल्ड ट्रंप 'गिरिगिट' की तरह रंग बदलने के लिए प्रेसिडर रहे। उन्होंने भ्राता विश्वरूप 'सांघीक ध्यान' की दिशा में बदल दिया है।

एससीओ की बैठक में तीन वैश्वक ध्यानों के नेताओं के बीच संवाद ने यह दिखा दिया कि भारत आपाधिक संवाद को अप्राप्ति किया। वर्तमान में लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से भ्राता विश्वरूप भ्राता विश्वरूप के बीच संवाद नहीं है।

ट्रंप प्रशासन ने भारत को एक टैरिफ किया। वर्तमान तक चला था और बार-बार यह जात्यां कि भारत एक कठिन व्यापार भागीदार है। अब जब अमेरिका भारत-चीन से कमीकरण से चिंतित है, तो ट्रंप की 'दोस्ती की पेशकश' एक राजनीतिक चाल से अधिक कुछ नहीं लगती। भारत की संतुलन नीति: एक स्वतंत्र द्विक्षेत्रों पर भरोसा किया जाए। भारत के टेक एक्सपोर्ट को प्रधानमंत्री ने लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद एक बड़ा विश्वक ध्यान देने योग्य है।

एससीओ की बैठक में तीन वैश्वक ध्यानों के नेताओं के बीच संवाद ने यह दिखा दिया कि भारत अब सिर्फ एक दशक के लिए आपाधिक संवाद को अप्राप्ति किया। वर्तमान में लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से भ्राता विश्वरूप भ्राता विश्वरूप के बीच संवाद नहीं है।

एससीओ की बैठक में तीन वैश्वक ध्यानों के नेताओं के बीच संवाद नहीं है। इससे भ्राता विश्वरूप के बीच संवाद नहीं है। इससे भ्राता विश्वरूप के बीच संवाद नहीं है। इससे भ्राता विश्वरूप के बीच संवाद नहीं है।

एससीओ की बैठक में तीन वैश्वक ध्यानों के नेताओं के बीच संवाद नहीं है। इससे भ्राता विश्वरूप के बीच संवाद नहीं है। इससे भ्राता विश्वरूप के बीच संवाद नहीं है।

एससीओ की बैठक में तीन वैश्वक ध्यानों के नेताओं के बीच संवाद नहीं है। इससे भ्राता विश्वरूप के बीच संवाद नहीं है। इससे भ्राता विश्वरूप के बीच संवाद नहीं है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने दवा कंपनियों और चिकित्सा उपकरण निर्माताओं से जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचाने को कहा है। प्राधिकरण ने कहा कि दवाएं बेचने वाले सभी निर्माता और विपणन कंपनियों (चिकित्सा उपकरणों सहित) के मूल्य में संशोधन करेंगी। निर्माता और विपणन कंपनियों डीलरों, खुदरा विक्रेताओं, राज्य औषधि नियंत्रकों व सरकार को जीएसटी दरों और मूल्य को दर्शाएं हुए मूल्य या पूरक मूल्य सूची जारी करेंगी।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन: तुलसी 2615, रजा श्री 1830, फूँफूँगुन कि. 2220, रंगिना 2550, फूँफूँगुन 13 किंग्रा 1950, जय जवान 1960, संधिन 2040, सूरज 1960, अदसर 1885, उजला 1920, गुण 13 किंग्रा 1880, उमाला 2050, गुण 13 किंग्रा 1880, गुण 2150, तक दिन 2375, लू 2110, आर्मीन्ड मस्टर्ड 2475, खासिंक 2555

किराना (प्रतिकृ.): हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्झ 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सोफ़ 9000-13000, रोट 27000, (प्रतिकृ.) लग्न 1000-1000, बादम 780-1080, काजू 800-880, विसमिस पीठी 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कृ.): डुल चावी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कावी 4950, शब्दी रस्त 5100, मसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रोंग 7300, राजमांग 6850, हीरा पीठी 10-15 किंग्रा 10100, हरी पीठी नेतुरु 9100, जीरा 8100, गलेसी 7400, सुमे 4000, गोडेन सेला 7900, मसूरी नेटपट 4350, खजाना 4300

दाल दलवान-मूँग दाल इंदौर 9800, मूँग धोवा 10000, राजमा चिंग 12800-13500, राजमा भूतन नया 10100, मलवान काती 7250-7450 मलवान दाल 7550-8900, मलवान काती 7550, दाल तुड़ बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साकुन दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000, बना काता 7050, दाल चावा 7600, दाल चावा मोटी 7850, बिलासपुर 7300, रूपकिशोर बंस 8200, बना अकोला 7200, डुर्गा 7200-9200, सचा हीरा 9000, मोटा हीरा 11000, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पट्टा मोटा 8100, अरहर कांस मोटा 8800, अरहर पट्टा छोटा 9800-10300, अरहर कांस छोटा 10300

चीनी: डालियां 4380, पीठीपीठी 4280, सितारांग 4260, धामपुर 4360

छह करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने कहा कि आकलन 2025-26 के लिए अब तक छह करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किया जा रहे हैं। जिन जुर्माने के अईटीआर आदिकर करने की अभियान तिथि 15 दिसंबर है। आयकर विभाग ने एक पर कहा कि करतारामी और कर पेंचरों की धर्यावाल, जिसमें हमें अब तक छह करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) तक पहुँचे में मदद की है और यह संख्या अभी भी जारी है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ जल्द ही एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते के लिए काम करने के प्रतिबद्ध हैं।

यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारास सेफेक्रिक और यूरोपीय कृषि आयुक्त सिस्टोक हैन्सेन व्यापार समझौते के लिए चल रही बातजारी को गति देने वाहां आए थे। दोनों पक्षों के आधिकारिक दलों ने 13वें दौर की वार्ता की। गोयल ने एक्स पर पोस्ट एकीकृत हो गया। प्रधानमंत्री बनने के बाद पूर्वोत्तर राज्य की दूसरी यात्रा के दौरान, मोदी ने आइजलान से उड़ान भर सका, जहां से उड़े राष्ट्र को विभिन्न पहल समर्पित करनी थी और एक जनसभा को संबोधित करना था। एक अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मिजोरम में 9,000 करोड़ से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। मोदी ने 8,070 करोड़ की लागत वाली बैराबी-सैरंग रेलवे लाइन का उद्घाटन किया, जिसके तहत राज्य की जगहानी आइजलान को रेलवे नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की घटना के तहत नेटवर्क के साथ परीक्षण के लिए तक रहा।

प्रधानमंत्री ने आइजलान से 37 किमी दूर लौंगपुर हवाई अड्डे से परियोजनाओं की तहत राज्य की

